

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म०प्र०)

क्रमांक / कार्मिक / 2010 / 1182
प्रति,

रीवा, दिनांक 2-12-10

अवर सचिव
मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, भोपाल (म०प्र०)

विषय— प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बाबत।

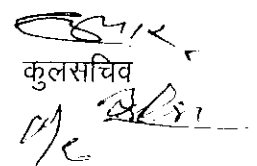
संदर्भ : आपका पत्र क्रमांक-172/494/09/38-3 भोपाल दिनांक 10.2.10 एवं पत्र क्रमांक 1294/494/2010/3-38 भोपाल दिनांक 7.8.10

महोदय,

उपर्युक्त संदर्भित विषय के संबंध में निवेदन है कि आपके द्वारा विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी चाही गई है। कृपया निम्नांकित अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी निम्नानुसार है।

1	डॉ. मगनसिंह अवास्या	कुलसचिव
2	डॉ० ए०एन० आर्य	उपकुलसचिव
3	श्री लाल साहब सिंह	उपकुलसचिव
4	सुश्री नीरजा नामदेव	सहायक कुलसचिव
5	श्री बाबूलाल साकेत	विभागीय अधिकारी
6	श्री बलराम प्रसाद द्विवेदी	विभागीय अधिकारी
7	श्री संतोष कुमार तिवारी	विभागीय अधिकारी
8	श्री शंकर प्रसाद शुक्ल	विभागीय अधिकारी
9	श्री लालमणि साकेत	विभागीय अधिकारी
10	श्री दशरथ सिंह गौड़	विभागीय अधिकारी
11	श्री बैद्यनाथ साकेत	विभागीय अधिकारी
12	श्री सुन्दरलाल रायकवार	विभागीय अधिकारी
13	श्री गणेश प्रसाद श्रीवास्तव	विभागीय अधिकारी
14	श्री राम कृष्ण वर्मा	विभागीय अधिकारी
15	श्री केदारनाथ गौड़	विभागीय अधिकारी
16	श्री ज्ञानेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी	विभागीय अधिकारी
17	श्री तेजबहादुर सिंह	विभागीय अधिकारी
18	श्री बंशबहादुर सिंह	विभागीय अधिकारी

उपरोक्त अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी एवं उनके द्वारा दी गई जानकारी की छाया प्रति संलग्न कर आपकी ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।


कुलसचिव

44

फार्म

प्रथम नियुक्ति के समय अवल संपत्ति का विवरण, वर्ष २०१०

1. अधिकारी/कर्मचारी का नाम (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **डी.एस.जी. अर्जादार**

2. वर्तमान पद का नाम **डी.एस.जी. अर्जादार**

3. वर्तमान वेतन **53370** अगली वेतनवृद्धि की तारीख **जुलाई 11**

उस किराे, उप संभाग, जालु क संथा ग्राम का नाम, जिसमें संबंधित स्थान हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		**वर्तमान मूल्य	सदर स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अधिगत किया गया **खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, धेरे या अन्य किसी प्रकार से तथा अधिगत की तारीख और जिससे अधिगत की गई हो उसका नाम तथा स्वीकृति	संपत्ति का नाम	अवधि
	वह क्या अन्य धवन	पूषि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. गोमर ओरिगेनोस्ट बोर्डर तर, जोडिगा बुड बानो (भा.गु)	येजुक मकान दो भाडु भाडे मकान	5 रुड्स 30x50 बस स्ट	25 लाख 10 लाख	एवम के भाडे से	विरासत	डी.एस.जी. अर्जादार	
2. इन्दीरा (अ.गु)	मकान 30x50 2002 मे सिमेंट	30x50 बस स्ट	25 लाख 10 लाख	एवम के भाडे से	एवम के भाडे से		

अल कानून की कोट दी गई।
 ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लागू मूल्य बतलाया जाए।
 इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।
 टिप्पणी : मध्य प्रदेश शासकीय सेवक (अनारथ) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से एक अधिगत है कि वह सेवा में प्रवेश के समय और उसके बाद प्रत्येक बार महीने की अवधि के परचाल पर धारणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके रजिस्ट्रार को तब तक उसके द्वारा अधिगत अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अवल संपत्ति के ब्यौरे दें।
 नम **डी.एस.जी. अर्जादार**
 पद **डी.एस.जी. अर्जादार**
 नम **डी.एस.जी. अर्जादार**
 पद **डी.एस.जी. अर्जादार**

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक / कुलसचिव / 2010 /

रीवा, दिनांक : 29.03.2010

प्रति,

कुलपति
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)


विषय:— प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बाबत।

संदर्भ:— पत्र क्रमांक / कार्मिक / 2010 / 189, दिनांक 18.03.2010.

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के अनुक्रम में मेरी अचल सम्पत्ति की जानकारी निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

1. **मकान :** 75, वीर सावरकर नगर कॅट रोड़ इन्दौर में **30X50** के भू-खण्ड पर मकान स्वयं के नाम पर है तथा ग्राम भीलखेड़ा जिला बड़वानी में पैतृक मकान है जो दो भाईयों के मध्य है।
2. **कृषि भूमि :** मेरे नाम से ग्राम भीलखेड़ा, पोस्ट, तहसील, जिला बड़वानी में पाँच एकड़ कृषि भूमि है जिसमें से 4 एकड़ सिंचित है तथा शेष असिंचित है।



(डॉ. मगनसिंह अवास्या)
कुलसचिव

प्रति,

प्रभारी अधिकारी
कार्मिक विभाग
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

विषय :- अचल सम्पत्ति की जानकारी के संबंध में।

संदर्भ :- आपका पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/951 दिनांक 22.9.10

महोदय,

उपर्युक्त संदर्भित विषयान्तर्गत मेरी अचल सम्पत्ति की जानकारी निम्नानुसार है -


1. जिला इंदौर के चिकित्सा नगर में बैंक ब्लाक मल्टी में एक फ्लैट जो लोन द्वारा क्रय किया गया है (जिसकी किश्तें सन् 2016 तक निरंतर रहेंगी) कीमत रुपये 8,50,000/- (रुपये आठ लाख पचास हजार) के लगभग है।
2. जिला उज्जैन स्थित सहयोग नगर में 17×60 का एक प्लॉट जिसकी क्रय कीमत रुपये 1,14,000/- (रुपये एक लाख चौदह हजार) है।

उपरोक्त अचल सम्पत्ति मेरे एवं मेरी पत्नी के नाम संयुक्त रूप से है, जिसकी कुल कीमत रुपये 9,64,000/- (रुपये नौ लाख चौसठ हजार) है।

जानकारी आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

दिनांक : 29.10.10 .

भवदीय



(डॉ. अशोक एन. आर्य)

उप कुलसचिव

अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

प्रति,

कुलसचिव,
अ० प्र० सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म० प्र०)

अ. प्र. सिंह
29.3.10

विषय:—प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी वावत् ।

संदर्भ:—आपका पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/189, दिनांक 18.03.2010,

महोदय,

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/189, दिनांक 18.03.2010 के अनुक्रम में मेरे अचल सम्पत्ति सम्पत्ति की जानकारी निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

मकान — गाँव भदवार, जिला जौनपुर (उ० प्र०) में एक पैतृक मकान जो छः भाइयों के मध्य है, जिसमें स्व० चाचा के दो पुत्र भी शामिल हैं ।

कृषिभूमि—कृषि भूमि—स्व० पिता जी के नाम लगभग 8 एकड भूमि जो चार भाइयों के मध्य है ।

भू—खण्ड—पत्नी के नाम आशापुर, वाराणसी में मकान निर्माण हेतु एक भू—खण्ड है ।


29/3/2010

लाल साहब सिंह
उप कुलसचिव
अ० प्र० सिंह विश्वविद्यालय, रीवा.

फॉर्म

प्रथम नियुक्ति के समय अवल संपत्ति का विवरण, वर्ष २०१०

1. अधिकारी/कर्मचारी का नाम (पुरु) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **जीटिआर/जीएमई/एम.डी.ओ. डिप्टी सैफ्टी वर्कमैन एंड सहायक डिप्टी**
 3. वर्तमान वेतन. **29,960** रु. अगली वेतनवृद्धि को लागू **1 July, 2011**

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम वडा नाम, जिसमें संपादित भिन्न हो	संपादन का नाम तथा ब्योरे		**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बताइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया **खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्योरे	संपादन से संबंधित अन्य विवरण	अवधि/वर्ष
	संपादन का नाम तथा ब्योरे	भूमि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

जहाँ लागू न हो काट दी जाए।
 ... इस मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लागू मूल्य बतलाया जाए।
 ... इसमें अत्यन्तकालीन घट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी: मध्य प्रदेश शासकीय सेवक (उत्तरांचल) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से वह अनिवार्य है कि वह संज्ञा में परतनी निवृत्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बार महीने की अवधि के पर्यन्त यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामत्त्व की संज्ञा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर घट्टे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अवल संपत्ति के ब्योरे दें।

फॉर्म नं. 1-17-10-2007

हस्ताक्षर


नाम
 पद
 तारीख

प्रति,

कुलसचिव
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

विषय:- प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बावत।

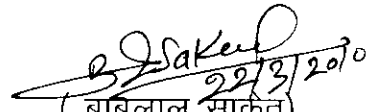
संदर्भ:- कार्यालयीन पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/191 रीवा दिनांक 18.3.2010

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्र के सम्बन्ध में चाही गई जानकारी निम्नानुसार है :-

1. अचल सम्पत्ति	रकवा
1. भूमि	पैत्रिक सम्पत्ति दो एकड़
2. मकान	पुस्तैनी
3. मोटर साइकल	एक नग
4. सोना	दो तोला
5. चॉदी	एक किलो
6. मोबाइल	एक नग
7. कलर टी.वी.	एक नग

भवदीय


(बाबूलाल साकेत)
विभागीय अधिकारी

A. 17/10
17.9.2010
कृ. सु. प्र. वि.
30/3/10

सेवा में,

श्रीमान् कुलसचिव महोदय,
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

विषय : अचल सम्पत्ति की जानकारी के सम्बन्ध में।

संदर्भ : क्रमांक/कार्मिक/2010/951 रीवा, दिनांक 22.9.10

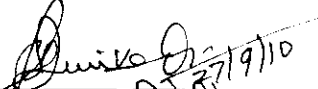
महोदय,

उपर्युक्त संदर्भांकित विषय के सम्बन्ध में मेरी अचल सम्पत्ति का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

1. मेरे नाम लगभग 4.78 एकड़ पैत्रिक जमीन गृहग्राम खुटहा, तहसील अमरपाटन, जिला सतना में है। भू अधिकार एवं ऋण पुस्तिका तथा अभिलेख की छायाप्रति संलग्न हैं।
2. उक्त जमीन के एक भूखण्ड में मेरे चार भाइयों के मध्य चौतरफा पैत्रिक माकान हैं, जिसका कुछ हिस्सा गिर जाने के कारण हम चारों भाइयों द्वारा पुनः निर्माण कराया गया है।
3. वर्ष 1992 में मेरे द्वारा 35X90= 3150 वर्गफीट का प्लॉट ग्राम-इटौरा (गोठवां टोला) वर्तमान में बाईपास रोड के पास क्रय किया गया था, जो वर्तमान में विवादित है तथा प्रकरण माननीय न्यायालय में चल रहा है।

दिनांक : 27.9.2010

भवदीय


(बलराम प्रसाद द्विवेदी)
विभागीय अधिकारी

B11847
श्री. शा. इं. जी.
30.9.10

समांक 572734

सर्वप्रथम भासिन



भू-आधिकार

एवं

कृषि पास्तका

भाग-१

नाम कास्तकार अलराम फौज शमानर अल प्रो

सोदर

भासः खुटघ

प.द.नं ६

मूल्य 3 रुपये 50 पैसे प्रति सेट.

पुस्तिका क्रमांक.....

कृषक का नाम .. बजराम

पिता/पति का नाम .. रामाजी

ग्राम .. श्री .. पटवारी हल्का नं० .. ६२२६

राजस्व निरीक्षक मंडल .. मोसरा विकास खंड .. मोसरा

तहसील .. मोसरा जिला .. मोसरा

|

कृषक के हस्ताक्षर या अंगूठे की निशानी का नमूना
.....

कृषक एवं शामिल शरीक
खातेदारों के नाम

१. *खसरा*
२.
३.

क्रमांक	खसरा नंबर	रकबा	लगान	अब्बाव	रकबा काशत
(१)	(२)	(३)	(४)	(५)	(६)
	$\frac{209}{9}$	0106			
	$\frac{269}{9}$	0122	9100		
	$\frac{9028}{9878}$	0109			
	$\frac{9029}{9878}$				
	$\frac{9022}{9878}$	0109			
	$\frac{9028}{9878}$	0108			
	$\frac{9220}{2878}$	0109			
	$\frac{9229}{2878}$	0108			
	$\frac{9223}{2878}$	0108			

Handwritten signatures and notes at the bottom left of the page.

अभिलेख

४. खाता नंबर 224
५. भूमि पर हक का प्रकार (भू-स्वामी/
६. मौजूसी शासकीय पट्टेदार)

सिंचित रकबा	सिंचाई का स्रोत (कुआं, नहर, तालाब, नदी)	यदि खसरा नंबर पट्टे पर है, तो मौजूसी/पट्टेदार का नाम	अन्य विवरण
(८)	(९)	(१०)	(११)
			<i>Handwritten notes in the right column.</i>

*नायब सहस्रीकर
...
...*

पुस्तक संशोधन मंडल

६३-

श्री २०१४ जी
श्री २०१४ जी
श्री २०१४ जी

प्रतिभा प्रकाश संस्था, दिल्ली (दिल्ली)

विषय : पुस्तक 'संस्कृत-विश्वकोश' के संकलन का परिचय
एवं इसके उपयोग के विषय में जानकारी देना।

संदर्भ : ३०३ (३१/३/२०१४) दिनांक ३०/३/२०१४

महोदय,

आपकी प्रेषित प्रतियों में संदर्भित प्रतियाँ

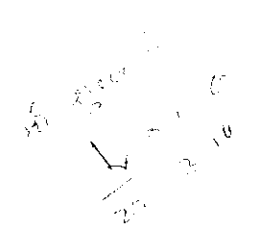
इस संदर्भ में उचित उर निवेदन है कि दिनांक
३१ दिसम्बर २००९ को भारत में मेरे नाम से डीई अथवा
सम्पत्त नहीं है।

महोदय
महोदय

सं-तां ८५२ विपरीत
विभागीय कार्यालय (डीई)
प्रदेशीय प्रकाश संस्था संस्कृत विश्वकोश
दिल्ली - ५०५००५

संख्या

श्रीमान् सुभाषचन्द्र बोस
आर ७७ १४६ १४०१४० टीका
(क०५०)



विषय - यहाँ के वि० वि० के राय के आधिकारिक
एवं आर ७७ की अपल सम्पत्ति की जांचारी बाबत ।

संदर्भ - सं० ५० १४६/७७ अर्थात् १७१७७ विभागा संशोधन का
पत्र सं० १७२/५९५/०९/३४-३ कापाल दि०
१०-२-२०१०

महोदय,

~~विषय~~ अर्थात् विषय के संदर्भ के
अनुसार विवेक है कि ~~कुछ~~ कुछ पैसा के
१०.३० एड्स जमीन तथा एक मकान जिला है।
इसके अलावा मेरे द्वारा न कोई जमीन या
मकान कुछ भूमि जमीन है। १३००० जमीन तथा
मकान आर ७७ के अनुसार ५०० मकान जिला है। तब १४००० के
विभागा है। आर ७७ ३००० जमीन का बालाकमल
का है।

दिनांक
२०/३/१०

आपका
(श्री सुभाषचन्द्र बोस)
१४०००
आर ७७ १४६ १४०१४०
टीका

प्रति,

श्रीमान् कुलसचिव महोदय,
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

44
Rog...
4148
24/9/2010
D. S. V. S.

विषय: अचल सम्पत्ति की जानकारी बावत्।

संदर्भ: कमांक / कार्मिक / 2010 / 951 रीवा दिनांक 22.9.10

महोदय,

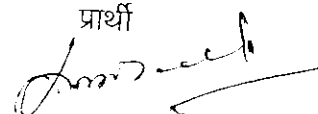
उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के अनुक्रम में 31 दिसम्बर 2009 की स्थिति में चाही गई अचल सम्पत्ति का विवरण निम्नानुसार है:-

कमांक	प्रार्थी का नाम	अचल सम्पत्ति
1	लालमणि साकेत, विभागीय अधिकारी, छात्र कल्याण विभाग, अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा	1.45 (एक एकड़ पैतालिस डिसिमिल जमीन) ट्यूबवेल एवं एक कमरे का मकान ग्राम टिकुरी में है।
2	श्रीमती मनोरमा साकेत पत्नी	75 डिसिमिल जमीन

अतः मेरे द्वारा दिया गया ब्यौरा सही एवं सत्य है। अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित।

दिनांक 24.9.10

ARK
24/9/10
5.10.10

प्रार्थी

(लालमणि साकेत)
विभागीय अधिकारी
छात्र कल्याण विभाग
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

प्रति,

कुलसचिव
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

विषय:— प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बावत।


संदर्भ:— कार्यालयीन पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/195 रीवा दिनांक 18.3.2010

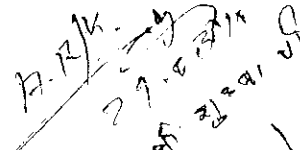
महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्र के सम्बन्ध में चाही गई जानकारी निम्नानुसार है :-

- | | |
|-----------------|------------------------------|
| 1. अचल सम्पत्ति | रकवा |
| 1. भूमि | 30x60 - 1800 वर्गफिट |
| 2. मकान | 900 वर्गफिट में मकान निर्माण |

भवदीय


(दशरथ सिंह भौंड)
विभागीय अधिकारी
427 87 0-191131


P. R. K.
27.3.10
क. सु. रीवा जी
1/30 3.10

प्रति,

श्रीमान् कुलसचिव महोदय,
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

24/9/10
27/9/10

विषय: अचल सम्पत्ति की जानकारी बावत्।

संदर्भ: कभांक/कार्मिक/2010/951 रीवा दिनांक 22.9.10

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के अनुक्रम में विभागीय अधिकारियों से 31 दिसम्बर 2009 की स्थिति में अचल सम्पत्ति की जानकारी चाही गई है उस समय मैं विभागीय अधिकारी नहीं था। मेरे पास ग्राम पथरहा में तीन कमरे का मकान है और कोई अचल सम्पत्ति नहीं है।

दिनांक 24.9.2010

प्रार्थी

(बैद्यनाथ साकेत)
विभागीय अधिकारी
छात्र कल्याण विभाग
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

काशी विश्वविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय, मिर्जापुर, बिहार

प्रति,

कुल-साधव
अ. प्र. सिंह विश्वविद्यालय
सीक (म. प्र.)

श्री. राजेश्वर सिंह
दिनांक 27-3-10

विषय:- अचल सम्पत्ति को जानकारी

संदर्भ:- आपका पत्र क्र. अ. प्र. सिंह/10/201 दिनांक 27-3-2010

महोदय,

संदर्भित पत्र द्वारा अ. प्र. सिंह विश्वविद्यालय को जानकारी
चाही गई है जो नीचे अंकित है:-

- 1- ग्रहग्राम में कृषिभूमि - एक एकड़ के लगभग
- 2- मकान सीक आनन्दनगर - ऊपर नीचे बिलावर सात कमरे का मकान
(कुल 12-20 वर्ग फुट)

दिनांक - 27-3-10

भवदीय

राजेश्वर सिंह
27-3-10

(तेजबहादुर सिंह)

विभागीय अधिकारी
अ. प्र. सिंह विश्वविद्यालय सीक

A.R.K
27-3-10

27/9/10

प्रति,

श्रीमान् कुलसचिव महोदय
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

विषय :- प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी वावत।

सन्दर्भ :- आपका पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/951 दिनांक 22-9-2010

महादेय,

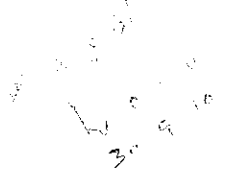
निवेदन है कि मेरी पत्नी श्रीमती आशा श्रीवास्तव के नाम एक आवासीय भवन 25×50 में निर्मित है। प्लॉट 30×60 का पत्नी के पिता जी द्वारा क्रय किया जाकर निर्माण कराया गया है। मेरे स्वतः की रूपये 70,000/- की एफ.डी. इलाहाबाद बैंक, शाखा अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा की है एवं लगभग 40,000/- शेयर मार्केट/इनफ्रास्ट्रक्चर में लगाये गये हैं। घर में एक फ्रिज, एक ब्लैक एण्ड व्हाइट टी.वी. एवं एक पुरानी स्कूटर है।

दिनांक 27/9/10

भवदीय



(गणेश प्रसाद श्रीवास्तव)
विभागीय अधिकारी (वित्त विभाग)
अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)



प्रति,

कुलसचिव महोदय,
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

विषय—प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बाबत।

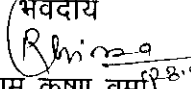
संदर्भ—आपका पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/951 रीवा, दिनांक 22.9.2010

महोदय,

विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्र के सम्बन्ध में निवेदन है कि मेरे पास अचल सम्पत्ति के रूप में मेरे पिता श्री राम कुमार वर्मा जी के नाम वार्ड क्रमांक 38, पाण्डेन टोला, कालिका मार्ग, रीवा में पुस्तैनी पक्का मकान है, जिस पर प्रार्थी अपने परिवार के साथ निवासरत है।

अतः अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में जानकारी सादर प्रेषित है।

२४.९.१०

भवदीय

(राम कृष्ण वर्मा) २४.९.१०
विभागीय अधिकारी

मि- 2113
30.9.10

प्रति,

कुलसचिव महोदय,
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

विषय—प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बावत।

संदर्भ—आपका पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/951 रीवा, दिनांक 22.9.2010

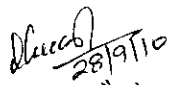
महोदय,

विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्र के सम्बन्ध में निवेदन है कि मेरे पास अचल सम्पत्ति के रूप में मेरी माता श्रीमती शकुन्तला देवी, के नाम वार्ड क्रमांक 37, उपरहटी, रीवा में पुस्तैनी मकान एवं ग्राम गड़रिया में पुस्तैनी जमीन दस एकड़ के करीब है, जिस पर मैं और मेरा छोटा भाई काबिज है।

अतः अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में जानकारी सादर प्रेषित है।

दिनांक - 28.9.10

भवदीय


28/9/10
(केदारनाथ गौड़)
विभागीय अधिकारी

प्रति,

श्रीमान् कुलसचिव महोदय
अ.प्र.सिंह विश्वविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

27.9.10

विषय- अचल सम्पत्ति की जानकारी प्रदाय के संबंध में।

संदर्भ- कार्यालयीन पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/951 दिनांक 22.9.2010

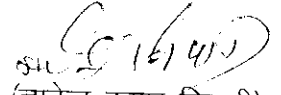
महोदय,

उपरोक्त संदर्भित पत्र के संबंध में चाही गई जानकारी निम्नानुसार है-

क्रमांक	मेरे नाम से अचल सम्पत्ति का विवरण	
1.	40 x 60 = 2400 प्लाट	उक्त प्लाट में आवासीय माकान 05 कमरे का निर्माण कराया गया है।
2.	पैतृक सम्पत्ति गृह ग्राम दशपुरवा में 07.00 एकड़ कृषि कार्य हेतु भूमि है	उक्त भूमि का उपयोग कृषि कार्य हेतु किया जाता है।

अतः चाही गई जानकारी प्रेषित है।

भवदीय


(ज्ञानेन्द्र कुमार त्रिपाठी)

विभागीय अधिकारी

प्रशासन विभाग

अ.प्र.सिंह विश्वविद्यालय रीवा(म.प्र.)

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (MOPRO)

क्रमांक/कार्मिक/2010/10914

सेवा दिनांक 11/11/10

प्रति

श्री अशोक कुमार
निज सहायक
अल्पसंख्यक सेवा विभाग, रीवा

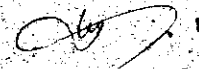
विषय- प्रदेश के विश्वविद्यालय के राज्य सेवा के अधिकारियों एवं अन्य की अचल सम्पत्ति की जानकारी बायान।

संदर्भ- इस कार्यालय का पत्र क्रमांक/कार्मिक/2010/ दिनांक

महोदय,

उपर्युक्त संदर्भित विषय के संबंध में सूचनार्थ प्रेषित है कि शासन द्वारा विश्वविद्यालय में पदस्थ कुलसचिव/उपकुसचिव/सहायक कुलसचिव/वरिष्ठ अधीक्षक/अनुभाग अधिकारी/निज सहायक कुलपति की अचल सम्पत्ति की जानकारी मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम के तहत शासकीय सेवक का 31 दिसम्बर 2009 की स्थिति में उक्त जानकारी शासन को भेजी जानी थी, किन्तु आपकी ओर से उक्त जानकारी अद्यावधि अप्राप्त है।

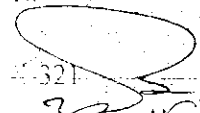
अतः कृपया उपरोक्त जानकारी आप कार्मिक विभाग को पत्र प्राप्ति के 3 दिवस के अन्दर भेजवाने का कष्ट करें, ताकि जानकारी शासन को समयावधि में भेजी जा सके।


उप कुलसचिव (कार्मिक)

प्रति,
उप कुल सचिव (कार्मिक)
कृपया सुचित टोने वा बन्ड को में
कृप. विल ठेक (म.प्र. विल विभाग) का
आपकी है।
में प्रामुख कोष एवं लेख
म.प्र. सेवाएं वादी ने दिसम्बर 2009
की अर्थात् अपनी अचल सम्पत्ति वा
विवरण प्राप्त कर दिया है।
कृपया अवगत हो।

21/11/10
15/11/10

Rewa
11/11/10

321

15/11-10
F.O.
APSU, REWA